संभालता है श्याम | By Kumar Deepak

जब कोई ना समभाले संभालता है श्याम
अजी कोई ना कोई रास्ता निकालता है श्याम

ऐसा कोई काम नहीं है श्याम धणी मेरा कर नहीं सकता
ऐसा दामन बना नहीं जिसे श्याम धणी मेरा भर नहीं सकता
हो चाहे जैसी किस्मत संवारता है श्याम
अरे कोई ना कोई रास्ता निकालता है श्याम

थोड़ा वक़्त निकल जाने दे देवो का सरताज बनेगा
जो ना माने इसकी हुकूमत दर दर का मोहताज बनेगा
जनम जनम का रास्ता सुधारता है श्याम
कोई ना कोई रास्ता निकालता है श्याम

मंदिर के पत्थर पत्थर पर लिखा हुआ हारे का सहारा
मंदिर बहुत बनेंगे लेकिन बने ना मंदिर ऐसा दोबारा
खुद मंदिर की नज़रें उतारता है श्याम
अरे कोई ना कोई रास्ता निकालता है श्याम

बनवारी इसकी भक्ति से विपदा सारी पल में टलेगी
श्याम नाम का मंत्र सुना दे नैया अपने आप चलेगी
जादूगारी मोरछड़ी संभालता है श्याम
अरे कोई ना कोई रास्ता निकालता है श्याम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-kumar-deepak/